मोतीलाल नेहरू सांध्य महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

वार्षिक विवरणिका
सत्र – 2010–2011

माननीय मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमेश राय, निदेशक, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, माननीय प्रोफेसर आर.के. सक्सेना, चेयरमैन, गवर्निंग बॉडी, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, मान्य सहकर्मियों, कर्मचारी भाइयों तथा विद्यार्थियो।

मोतीलाल नेहरू (सांध्य) की स्थापना जुलाई 1965 में हुई। यह महाविद्यालय प्रारंभ में हस्तिनापुर कॉलेज के नाम से जाना जाता था। हमें इस तथ्य का उल्लेख करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ0 आर.के. भान थे। आने वाले वर्षों में डॉ0 शंकरदेव शर्मा 'अवतरे' एवं डॉ0 सुरेश चन्द शर्मा जैसे साहित्यप्रेमी एवं प्रशासनिक दक्षता को चरितार्थ करने वाले व्यक्तित्वों ने कॉलेज के प्राचार्य पदभार का दायित्व संभाला।

इतिहास इस बात का गवाह है कि पंडित मोतीलाल नेहरू प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वाधीनता सेनानी के रूप में जाने जाते रहें हैं। हम अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि ऐसी महान विभूति के नाम पर इस कॉलेज का नाम हस्तिनापुर कॉलेज से परिवर्तित होकर मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) हुआ। पं0 मोतीलाल नेहरू सन् 1919 एवं 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। यही नहीं उन्होंने 1923 में देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना की। वे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के पिता एवं भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के दादा थे। आज भी इलाहाबाद का उनका आनंद भवन स्वाधीनता आंदोलन की अमर गाथा को अपने भीतर संजोये हुए है, एवं सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए एक प्रेरणापुंज भी है।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं जिनके औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है तथापि इस औपचारिकता को निभाने में मैं गौरव का अनुभव करता हूँ।

इस वार्षिकोत्सव पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमेश राय सम्प्रति, निदेशक दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वागत करके मैं अपने विश्वविद्यालय–परिवार के सदस्य को ही सम्मानित कर गौरवान्वित हो रहा हूँ। कॉलेज के वार्षिकोत्सव में योग्यतम छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित और सम्मानित किया जाता है। इस सम्मान की गरिमा तब और भी बढ़ जाती है जब सम्मान प्रदाता मुख्य अतिथि स्वयं अपने छात्र जीवन और कार्यक्षेत्र का योग्यतम व्यक्तित्व हो। प्रोफेसर उमेश राय निश्चय ही इस सम्मान–प्रदान के योग्यतम सम्माननीय अधिकारी हैं।

शिक्षा, शोध, विज्ञान से संबंधित अनेक अन्वेषणों की उपलब्धियों से अलंकृत प्रोफेसर उमेश राय ने अपनी उच्च शिक्षा, गौरवशाली बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) से प्राप्त की हैं। आपने सन् 1986 में 'Endocrinology Reproductive Physiology' विषय पर जूलोजी डिपार्टमेंट बी.एच.यू. से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आपने सी.एस.आई.आर. (CSIR) रिसर्च एसोसियेट के रूप में सन् 1988–1992 में जूलोजी डिपार्टमेंट (BHU) में शोध एवं अध्यापन कार्य प्रारम्भ किया। आपने सन् 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के जूलोजी विभाग में प्राध्यापक के रूप में अध्यापन एवं शोध कार्य प्रारम्भ किया। इसके उपरान्त वहीं आप रीडर (1998–2006) के पद पर नियुक्त हुए। सन् 2006 में आप जूलोजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने। आपकी विशेषज्ञता एवं शोध अभिरूचि का क्षेत्र 'Immuno-endocrinology & Reproductive Physiology' है। आपकी प्रतिभा एवं विज्ञान के प्रति अभिरूचि के चलते आपको समय–समय पर विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया एवं विभिन्न राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय समितियों में सदस्य बनाया गया। जिनमें से कुछ का मैं उल्लेख कर रहा हूँ :–

1. Fellow of the National Academy of Sciences, India.

2. Council Member of Asia and Oceania society for Comparative Endocrinology.
3. Council Member of the International Federation of Comparative Endocrine societies.

पिछले पाँच वर्षों में आपकी जो पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, उनका उल्लेख मैं कर रहा हूँ। सन् 2007 में 'Pregnancy' और "Sex determination and differentiation in vertibrates', सन् 2009 में Endocrine and Paracrine Control of Testicular Functions in Reptiles in "Gonadal and non Gonadal actions of Gonadotropines तथा 2010 में Harmonal control testicular functions in reptiles in "Harmones and reproduction in vertebrates" प्रकाशित हुईं।

आपके विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध पत्रिकाओं (Journals) में 13 से अधिक शोध–पत्र प्रकाशित हैं। यही नहीं राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में आपने 25 बार अपने ज्ञान और गहन अध्ययन का परिचय अपने वक्तव्यों के द्वारा प्रस्तुत किया है।

निदेशक, साउथ कैम्पस के श्रमसाध्य दायित्व का निर्वाह करते हुए आप विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं समितियों तथा विश्वविद्यालयों के अकादमिक क्रियाकलापों में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाह भी कर रहे हैं। आप अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय एवं पं0 रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर के 'बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडीज' से जुड़े हुए हैं।

आपका सहज, सरल और उदारमना व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है। हमारी कामना है कि आपकी कीर्तियात्रा कभी विराम न ले। जीवन में आप यशस्वी बनें।

इस उत्सव की अध्यक्षता कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन प्रो0 आर.के. सक्सेना कर रहे हैं। सम्प्रति आप दक्षिण परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग में प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं। आपने एम.एससी. की उपाधि बॉटनी विषय में सागर विश्वविद्यालय सागर, मध्यप्रदेश से प्राप्त की है। पीएच.डी. की उपाधि "Studies on the control of reproductive differentiation in Aspecgillus nidulans under submerged culture conditions" विषय पर बॉटनी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से सन् 1977 में प्राप्त की। आपने शैक्षणिक जीवन का प्रारंभ प्राध्यापक के रूप में किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से सन् 1975 में प्रारंभ किया। जहाँ आप अध्यापन के साथ–साथ शोध–कार्य से भी संबद्ध रहे। इसके उपरांत 1985 में आप माइक्रोबॉयोलोजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर में 'रीडर' के पद पर नियुक्त हुए एवं वहीं आप 1996 में प्रोफेसर बने। आप 12 वर्षों तक माइक्रोबॉयोलोजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यक्ष भी रहे। 'Industrial microbiologist and fermentation technologist' के रूप में आपकी ख्याति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर है।

राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध–पत्रिकाओं (Journals) में आपके 116 से भी अधिक शोध–पत्र प्रकाशित हुए हैं। यही नहीं आपने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की 161 संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किये हैं। आपकी योगयता एवं विषय विशेषज्ञता के चलते विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के लिए आपको पदेन सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। अध्यापन कार्य एवं शोध कार्य में निरन्तर व्यस्त होते हुए भी आपने अपने निर्देशन में बृहद् परियोजनाओं के लिए अपनी भूमिका का सतत् निर्वाह किया है।

उपर्युक्त विवरण से जहाँ प्रो0 आर.के. सक्सेना का अपने विषय विशेष बॉटनी, माइक्रेबॉयोलोजी के प्रति अभिरूचि का पता चलता है वहीं प्रशासनिक दायित्व के निर्वाह के प्रति वो उतने ही सजग एवं तत्पर हैं जो प्रशंसनीय ही नहीं श्लाघनीय भी है। हमारी कामना है कि आप इसी तरह ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में एक पथ–प्रदर्शक के रूप में कार्य करते रहें।

कॉलेज की गवर्निंग बॉडी

इस सत्र की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रोफेसर आर.के. सक्सेना हैं। प्रो0 अनिल ग्रोवर विश्वविद्यालय प्रतिनिधि हैं। डॉ0 पी.सेनगुप्ता (कार्यवाहक प्राचार्य) सदस्य सचिव हैं। अन्य सदस्यों में सर्वश्री डॉ. बी.के. शर्मा (कार्यवाहक प्राचार्य, सांध्य कॉलेज), सांध्य कॉलेज शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 विद्याशंकर सिंह एवं डॉ0 राजेश कुमार हैं। प्रातः कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 एम.सी. विद्यालंकार एवं सुश्री अर्चना खंगवाल हैं। प्रो0 आर.के. सक्सेना की अध्यक्षता में यह गवर्निंग बॉडी जहां एक ओर कॉलेज की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के मार्गदर्शक के रूप में है वहीं दूसरी ओर कॉलेज की विभिन्न समस्याओं के निदान की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कॉलेज भवन

आज कॉलेज के पास अपना सुंदर भवन तो है परन्तु अभी भी अपूर्ण और अपर्याप्त है। सभागार भवन का निर्माण होना अभी शेष है। सांध्य कॉलेज सांय साढ़े तीन बजे आरंभ होकर रात नौ बजे तक चलता है, इससे हमारी प्राध्यापिकाओं और छात्राओं को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। परिस्थितिजन्य इस कठिनाई के निराकरण के लिए हम सभी निरंतर प्रयत्नशील हैं।

माननीय कुलपति महोदय हमारे कॉलेज की यातायात की समस्या से परिचित हैं। संभवतः उनके प्रयासों से नए सत्र से यह समस्या सुलझ जाएगी। यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है।

पिछले दो वर्षों में जहाँ एक ओर कॉलेज में छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं छात्रों की बढ़ी संख्या के अनुपात में अनुदान भी प्राप्त हुआ है जिसके परिणामस्वरूप कुछ नए अध्यापन

कक्षों का निर्माण भी हुआ है और शेष के लिए निर्माण की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। नई निर्माण योजना में विद्यार्थियों के लिए कल्चरल रूम, एन.सी.सी. रूम तथा प्रत्येक विभाग के लिए विभागीय कक्षों की व्यवस्था से अध्ययन और अध्यापन को नई दिशा प्राप्त होगी।

पुस्तकालय

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें लगभग पचपन हजार पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। लगभग चालीस देशी और विदेशी पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान के आधार पर सम्प्रति कार्यवाहक प्राचार्य डॉ0 बी.के. शर्मा की अध्यक्षता में बनी लाइब्रेरी रिनोवेशन कमेटी ने रिनोवेशन का कार्य पूरा कर दिया है। इसी क्रम में हमारा इलैक्ट्रोनिक रिसोर्स सैंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। रिसोर्स सैंटर में प्राध्यापकों के लिए अलग से एक कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन लाइब्रेरियन डॉ0 आर.पी. शर्मा की देखरेख एवं पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा होता है। श्री विजय सिंह, एसोसियेट प्रोफेसर, कॉमर्स विभाग पुस्तकालय परामर्श समिति के संयोजक हैं।

इस अवधि में पुस्तकालय स्टाफ़ के श्री राधेश्याम जोशी ने संस्कृत साहित्य में एम.ए. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। इसके अलावा श्री रवि तिवारी भी एम.कॉम. कर रहे हैं। पुस्तकालय की ही श्रीमती सुनीता एवं श्री बाबूराम ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कम्प्यूटर कोर्स किया है।

अध्यापक संकाय

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि इसमें विशिष्ट योग्यताओं से विभूषित अनेक ऐसे प्राध्यापक हैं जो स्नातकोत्तर कक्षाओं के अध्यापन और शोध–निर्देशन के लिए पूर्ण योग्य और

सक्षम हैं। कॉलेज में कुल 65 अध्यापक हैं जिनमें 25 अध्यापक पीएच.डी. हैं तथा कुछ शोधरत भी हैं। अध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते हैं। इसी वर्ष इतिहास विभाग की डॉ0 चारू गुप्ता एवं डॉ0 अनिरूद्ध देशपांडे, एसोसियेट प्रोफेसर के पद पर इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए। जिससे हमारे कॉलेज से सम्बद्ध शिक्षक समुदाय की श्रेष्ठता एवं गुणवत्ता का प्रमाण उजागर होता है। यही नहीं पिछले कई वर्षों से इतिहास विभाग के ही श्री दिनेश वार्ष्णेय अध्यापन कार्य के साथ–साथ विश्वविद्यालय स्तर पर डिप्टी डीन, स्टुडेंट वैलफेयर, दक्षिण परिसर के पद पर रहकर छात्रों की समस्याओं के निदान में सतत् अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वाह कर रहे हैं।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 राजेश कुमार के कई शोध–पत्र विभिन्न शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इनमें से प्रमुख हैं – "Subaltern Autobiographies Dalit Vs Aboriginals" published in "Journal of literary critical writings". "Situating Dalit Identity : "A Potential thought" published in "Global Education, Society and Development : An International Journal of Academicians by Academic Excellence Publications. डॉ. राजेश कुमार ने विभिन्न राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध–पत्र भी प्रस्तुत किए।

अंग्रेजी विभाग की ही डॉ0 हेमा दहिया के कई शोध–पत्र विभिन्न शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इनमें से प्रमुख हैं –

- "H.H. Percival, an early scholar of Shakespear" published in Journal of Drama Studies.
- Paradoxes of Politics in Shakespear's Julius Caeser"
- The Critic Shakespear : Essays in Appreciation".

सुश्री हेमा दहिया को इसी वर्ष ब्रिटेन के शैफील्डहैलम विश्वविद्यालय ने "Shakespeare Studies in Colonial Bengal : The Early Phase" पर पीएच.डी. की उपाधि से अलंकृत किया।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 प्रदीप शरण ने पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज खटीमा, उत्तराखंड की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रूप में "Teaching of English in India : Problem and the probable solutions" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

अंग्रेजी विभाग की ही श्रीमती ज्योति जाखड़ दहिया ने विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किए। श्रीमती ज्योति जाखड़ दहिया ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Problematizing Categories : A Case Study of Salman Khurshid's Sons of Babur : A play in search of India" प्रस्तुत किया एवं राजकीय महाविद्यालय, गुड़गांव की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इन्होंने "Negotiating Marginality : Reading Baby Haldar and Anita Rau Badami" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया। इसके अलावा एक संपादित पुस्तक "Feminism and Fiction : India and Beyond में इनका एक आलेख "Memoir as Literature : an analysis of Fatima Bhutto's Songs of Blood and Sword' प्रकाशित हुआ।

अंग्रेजी विभाग की श्रीमती उमा चौधरी कॉलेज में बर्सर (Bursar) पद के दायित्व का निर्वाह करते हुए कॉलेज के प्रशासनिक कार्य में मेरा सहयोग कर रही हैं।

18 वर्षों तक प्राचार्य के पद का दायित्व निर्वाह करते हुए डॉ0 सुरेश शर्मा अप्रैल, 2010 में सेवानिवृत्त हुए। अन्य प्राध्यापकों में हिंदी विभाग के डॉ0 तारा चन्द शर्मा एवं अर्थशास्त्र विभाग के डॉ0 पी.के. शर्मा लगभग चालीस वर्षों तक शैक्षणिक दायित्व का निर्वाह करते हुए

सेवानिवृत्त हुए। कार्यालय कर्मचारी श्री विजय कुमार भी इसी वर्ष सेवानिवृत्त हुए। बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि इतिहास विभाग की डॉ0 उमा रानी गुप्ता एवं अंग्रेजी विभाग की डॉ0 प्रभा मिश्रा का असामयिक निधन कॉलेज के लिए निश्चित ही अपूरणीय क्षति है।

हिंदी विभाग के डॉ0 विद्याशंकर सिंह एवं डॉ0 (श्रीमती) प्रेमलता शर्मा ने ''वत्सल निधि'' एवं ''रजा फाउंडेशन'' के संयुक्त तत्वावधान में साहित्य अकादमी सभागार, रवीन्द्र भवन में दिनांक 7,8 एवं 9 मार्च को आयोजित 'अज्ञेय : जन्मशताब्दी समारोह में भाग लिया। डॉ0 विद्याशंकर सिंह ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2011 को कॉलेज ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज़ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (विषय : कविता की प्रासंगिकताः संदर्भ अज्ञेय, नागार्जुन, शमशेर एवं केदारनाथ अग्रवाल) में उपस्थित रहकर अपना रचनात्मक योगदान प्रदान किया।

डॉ0 अश्वनी कुमार ने विभिन्न संगोष्ठियों में वक्ता एवं प्रतिभागी के रूप में अपना योगदान दिया। इनमें मुख्य रूप से ''कॉर्पोरेशन बैंक, दिल्ली शाखा, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ''राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी भाषा व साहित्य'' एवं ''वर्तमान समय में हिन्दी की भूमिका'' विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, श्यामलाल महाविद्यालय एवं रामानुजन महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिभागी के रूप में उपस्थित होकर अपना योगदान दिया।

हिंदी विभाग के डॉ0 बृज किशोर वशिष्ट ने कॉर्पोरेशन बैंक (भारत सरकार) द्वारा राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन की दशा एवं दिशा को सुधारने के लिए अधिकारी स्तर की राष्ट्रीय कार्यशाला में राजभाषा हिंदी की अवधारणा एवं विकास'' विषय पर दो बार अपने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किए।

यही नहीं मुझे डॉ0 बृजकिशोर की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इसी वर्ष आपकी दो महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हुई – "निराला साहित्य में दलित चेतना" तथा "उर्दू–हिन्दी समाचार–पत्रों का इतिहास" (संपादित) के रूप में। इस पुस्तक में उन्होंने नवजागरण के सजग प्रहरी एवं हिंदी के यशस्वी साहित्यकार बालमुकुंद गुप्त के लुप्तप्रायः लेखों को संपादित किया है जो किसी भी शोधार्थी, स्वाधीनता आंदोलन प्रेमी तथा जिज्ञासु पाठक के लिए महत्वपूर्ण ही नहीं होगी बल्कि मार्गदर्शक का कार्य करेगी। इसी क्रम में आजकल डॉ0 बृजकिशोर वशिष्ट, बालमुकुंद गुप्त रचनावली के संपादन कार्य में संलग्न हैं। इनकी प्रतिभा एवं परिश्रम के चलते तीन खंडों में यथाशीघ्र प्रस्तुत ग्रंथावली के प्रकाशन की संभावना है।

हिंदी विभाग की ही डॉ0 (श्रीमती) राजेश कुमारी कौशिक की "स्मार्त धर्म और तुलसी का काव्य" नामक पुस्तक इसी वर्ष प्रकाशित हुई। इसके अलावा डॉ0 राजेश कौशिक ने विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किए। इनमें से प्रमुख हैं –

- "समकालीन हिंदी कविता : स्वरूप और वैशिष्ट्य", चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर, कैथल
- "दादू दयाल की सामाजिक चेतना", महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक
- "देवनागरी : उत्पत्ति, विकास, गुण एवं दोष", इंदिरा गांधी पी.जी. महिला महाविद्यालय, कैथल

इकोनोमिक्स

इस विभाग के श्री विष्णु चरण नाग को उत्कल विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ने "Child Labour Problem in Orissa and the Role of NCLP : A case study of NCLP in Rayagada District" विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की। आर्य कॉलेज,

लुधियाना में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इन्होंने Women Emancipation in Twenty-First Century" शीर्षक से अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ0 जी.एन. त्रिवेदी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 4–5 मार्च, 2011 को "माओवादी आंदोलन से जुड़े ज्वलंत मुद्दे" पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। यही नहीं इसके अतिरिक्त इन्होंने लगभग 11 राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने आलेख एवं व्याख्यान प्रस्तुत किए हैं।

इस विभाग के राधानाथ त्रिपाठी का "National Human Rights Commission and Custodial Crime in India" नाम का लेख "Indian Police Journal" में प्रकाशित हुआ।

इसी विभाग के श्री प्रहलाद कुमार बैरवा को अफ्रीकन स्टडीज़ विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने "The Third Tier Federalism in South Africa and India : A Comparative Study" विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की।

स्टाफ काउंसिल

डॉ. एस.के. शर्मा स्टाफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल की बैठकें प्रायः होती रहती हैं जिनमें संस्था के शैक्षणिक स्तर और अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को कार्यान्वित किया जाता है। डॉ0 शर्मा ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

कॉलेज में प्राध्यापकों, कर्मचारियों के कल्याण–कार्यों में रूचि लेने वाली एसोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भाँति ही हुआ है। इन संस्थाओं ने अपने–अपने क्षेत्र में अपने सदस्यों के कल्याण–कार्यों को सम्पन्न कराने के लिए कॉलेज प्रशासन के साथ मिलकर प्रशंसनीय कार्य किये हैं। मैं इन दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों के प्रति अपना धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक 20 अप्रैल 2010 को स्टाफ एसोसियेशन की ओर से प्रख्यात शायर फैज़ अहमद फैज़ की जन्मशती के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 अली जावेद (उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने फैज़ को बेहद संवेदनशील और संजीदा किस्म का इंसान बताया एवं इस बात का भी उल्लेख किया कि उनकी शायरी इंसान के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित है। यही नहीं प्रो0 जावेद अली ने फैज़ की अत्यधिक लोकप्रिय गज़ल "दरबारे वतन में जब एक दिन हम सब जाने वाले जाएँगे" को तरन्नुम में गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन एसोसियेशन के अध्यक्ष डॉ0 राजेश कुमार ने किया।

छात्रसंघ

आज का छात्र जहाँ अपने अधिकार की मांग करता है वहीं वह अपने कर्तव्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सजग है जिसके कारण छात्र संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई। इसके लिए मैं छात्रसंघ के पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ। छात्रसंघ के सलाहकार डॉ0 विद्याशंकर सिंह के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने प्रशासन और छात्रसंघ के बीच सेतु का कार्य किया और सभी समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

वर्तमान छात्रसंघ के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :–

अध्यक्ष : भानू

उपाध्यक्ष	:	योगेश कुमार शर्मा
सचिव	:	मनोज रावत
संयुक्त सचिव	:	अशोक यादव
सेंट्रल काऊंसलर	:	गौतम कुमार एवं नवीन कुमार

कॉलेज के छात्रसंघ के तत्वावधान में दिनांक 25 मार्च, 2011 को सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा एक भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियाँ प्रबंधन और प्रस्तुतिकरण विद्यार्थियों तथा छात्र संघ का सामूहिक प्रयास था। छात्र संघ के परामर्शदाता डॉ0 विद्याशंकर सिंह एवम् सदस्य डॉ0 एस.के. शर्मा और श्री हंसराज की निष्ठा और परिश्रम से यह उत्सव अत्यन्त सफल और आकर्षक रहा।

हमारे अनेक छात्रों ने विभिन्न महाविद्यालयों की अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं जो निश्चित ही संस्कृति और कला के प्रति इनकी अभिरूचि एवं व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करता है। कॉलेज के पास न तो कोई कल्चरल रूम है और न ही प्रशिक्षण की सुविधा। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी हमारे विद्यार्थियों ने पुरस्कार जीतकर निश्चित ही कॉलेज को गौरवान्वित किया है।

हमारे कॉलेज के छात्रों ने समय–समय पर दूरदर्शन की ओर से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया है। इस क्रम में दिनांक 21 अक्तूबर, 2010 को दूरदर्शन पर 'यूथ एक्सप्रैस' कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना अध्यक्ष के साथ हुई परिचर्चा में राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष एवं अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष एवं इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। विकास पाठक, धनंजय कुमार, लक्ष्मी बाई, धीरज कुमार, अजीत कुमार, अभिषेक कुमार, सौरभ कुमार ने इस कार्यक्रम में अपना रचनात्मक योगदान दिया।

अध्ययनरत विद्यार्थी एवं परीक्षा परिणाम

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2010–2011 के सत्र में 1360 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों की संख्या 1116 है तथा छात्राओं की संख्या 244 है।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शैक्षणिक स्तर दिनों–दिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। पिछले वर्ष हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं क्रमशः परीक्षा परिणाम का उल्लेख कर रहा हूँ।

बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	90.20 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	92.54 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	74.36 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	76 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	75 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	68.42 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष	–	67.5 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	94.29 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	100 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	91.67 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	68.75 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	77.78 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	77.78 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	88 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम तृतीय वर्ष	–	63.91 प्रतिशत

बी.कॉम. ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	58.82 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	77.78 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	100 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	84.21 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	73.68 प्रतिशत

सांस्कृतिक–अकादमिक गतिविधियाँ

सांध्य कॉलेज होने के कारण समय की अपनी एक निर्धारित सीमा होती है। सीमित समय में ही अध्यापन कार्य होता है। ऐसी स्थिति में अकादमिक–सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उनसे संबद्ध अन्य गतिविधियों के लिए समय तथा अवसर दे पाना आसान नहीं होता है। फिर भी मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कॉलेज में वर्ष भर शैक्षिक व्याख्यान व सांस्कृतिक गतिविधियां निरंतर चलती रही हैं। इनका श्रेय यहाँ के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को जाता है।

– इतिहास विभाग ने दिनांक 16 दिसम्बर 2010 को 'Issues of Human Rights, Gender and Environment in Visual Representation' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया जिसमें डॉ0 अनिरूद्ध देशपांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया।

– हिन्दी विभाग की ओर से दिनांक 11 अप्रैल 2011 को "नागार्जुन का काव्य" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर गोपेश्वर सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए नागार्जुन की रचनाधर्मिता का विस्तार से उल्लेख करते हुए नागार्जुन को जन आंदोलन का कवि बताया।

– राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से दिनांक 21 फरवरी, 2011 को विषय "New Religious Movement in India" व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर

पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ0 मनिन्द्र सिंह ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

– अंग्रेज़ी विभाग के तत्वावधान में 22 मार्च, 2011 को छात्रों के लिए "Poetry Recitation and Elocution Contest" जैसी साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा उजागर करने का एक उचित साहित्यिक मंच मिला।

कॉलेज पत्रिका

"अस्मिता" कॉलेज की पत्रिका है जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच भी प्रदान करती है। "अस्मिता" की एक विशेषता यह भी है कि इसमें कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएँ भी छपती हैं। इस वर्ष इसके प्रकाशन की देख–रेख निम्नलिखित संपादक मंडल कर रहा है —

प्रधान संपादक	:	डॉ0 अश्वनी कुमार
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ0 राजेश कुमार
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ0 एम.एस. राठी

खेल–कूद

तैराकी

बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष के छात्र गौरव टोकस ने कलकत्ता में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय वाटर पोलो की प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इसी छात्र ने इस वर्ष झारखण्ड में आयोजित नेशनल गेम्स में दिल्ली राज्य का

प्रतिनिधित्व किया। पिछले वर्ष इसी छात्र ने अन्तर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता में एक स्वर्ण तथा दो रजत पदक प्राप्त करके कीर्तिमान स्थापित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रतियोगिता में गौरव टोकस ने दो कास्य पदक तथा दिल्ली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बी.ए. (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष के छात्र साहिल शौकीन ने भी इस वर्ष कलकत्ता में आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। साहिल शौकीन ने ही जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। साहिल शौकीन ने दिल्ली राज्य तैराकी प्रतियोगिता में दो कास्य पदक प्राप्त किए। इसी छात्र ने दिल्ली राज्य की ही वाटर पोलो प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।

<u>पावर लिफ्टिंग</u>

बी.ए. हिन्दी ऑनर्स प्रथम वर्ष के छात्र विक्रम सिंह ने इस वर्ष अन्तर्विश्वविद्यालयी पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस छात्र ने राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में भी दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। विक्रम सिंह ने ही भारतीय पावर लिफ्टिंग फ़ेडरेशन द्वारा वाराणसी में आयोजित नॉर्थ इंडिया पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक प्राप्त किया।

<u>फुटबाल</u>

इस वर्ष मेरठ में आयोजित अखिल भारतीय फुटबाल प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज के छः विद्यार्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस टीम में लगभग आधे से अधिक सदस्य हमारे कॉलेज के थे। प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं :-

1. दिनेश सिंह – बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष – 8070

2. मनीष सोलंकी – बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष – 8080
3. निखिल महाजन – बी.ए. (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष – 0891
4. मोनू चौधरी – बी.ए.(प्रोग्राम) प्रथम वर्ष – 0090
5. अंकित शर्मा – बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष – 9383
6. अजय बरथवाल – बी.कॉम (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष – 8484

इसके अतिरिक्त मोनू चौधरी ने झारखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। यह कॉलेज के लिए प्रसन्नता का विषय है कि बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष के अंकित शर्मा ने "इंडियन फुटबाल लीग" से एक वर्ष का अनुबंध 18 लाख रूपये वार्षिक पर किया। यही नहीं, अंकित शर्मा ने अंडर 21 में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। यह विशिष्ट उपलब्धि है।

मार्च 2011 में आयोजित छठी ज़ाकिर हुसैन मैमोरियल फुटबाल प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय की टीम उपविजेता घोषित की गई, जो किसी भी महाविद्यालय के लिए असाधारण उपलब्धि है। मार्च 2011 में ही आयोजित प्रथम गोयनका वैश्विक विश्वविद्यालय (World University) फुटबाल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके पुरस्कार स्वरूप 25000 रूपये नकद राशि तथा ट्रॉफ़ी एवं ब्लेज़र प्राप्त किया।

हॉकी

इस वर्ष हमारे कॉलेज की हॉकी टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा। हमारे कुछ विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :

1. मनदीप, बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष (8067) ने राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। राष्ट्रीय ओपन, अंडर 19 प्रतियोगिता में भी इस छात्र ने रजत पदक प्राप्त किया। जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय में

आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता में इस छात्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

2. मनीष कुमार, बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष (9091) ने अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भी मनीष कुमार ने रजत पदक प्राप्त किया।
3. मुकेश दलाल, बी.ए.(प्रोग्राम) प्रथम वर्ष (0083) – पूना में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय हाकी प्रतियोगिता में इस छात्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया।
4. बलराम दहिया, बी.ए.(प्रोग्राम) प्रथम वर्ष (0061) ने अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। पूना में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में इस छात्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया। झारखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में बलराम दहिया ने दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।
5. प्रवीण कुमार ने अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। पूना में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में इस छात्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया। झारखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में बलराम दहिया ने दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है कि हमारे कॉलेज की हॉकी टीम ने श्यामलाल कॉलेज में फरवरी, 2011 में आयोजित प्रथम पद्मश्री श्यामलाल मैमोरियल हॉकी चैम्पियनशिप (अर्न्तमहाविद्यालय) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हमारे कॉलेज़ ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फ़िज़ीकल एजुकेशन को 3–0 से, किरोड़ीमल कॉलेज को 1–0 से, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज को 8–1 से तथा आयोजनकर्ता श्यामलाल कॉलेज को 2–1 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खेल दिवस

हमारे महाविद्यालय ने खेल दिवस का आयोजन किया। अन्तर्राष्ट्रीय भारोत्तोलक सुश्री कुंजुरानी देवी इस समारोह की मुख्य अतिथि थीं तथा अन्तर्राष्ट्रीय तैराक श्री खजान सिंह विशिष्ट अतिथि थे। दोनों अतिथियों ने विजेता छात्र–छात्राओं को अपने हाथों से पुरस्कार प्रदान किए।

बी.ए.(प्रोग्राम) प्रथम वर्ष (0083) के मुकेश कुमार, पुरूष वर्ग में तथा तान्या, बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष (8350) को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ ऐथलीट घोषित किया गया।

अब मैं कॉलेज के खेल जगत की महत्वपूर्ण घोषणा करने जा रहा हूँ। मैं राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी, बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र प्रदीप कुमार को 'स्पोर्टसमैन ऑफ द ईयर' घोषित करता हूँ। आइए, हम उन्मुक्त कंठ और करतल ध्वनि से इस खिलाड़ी का अभिनंदन करें।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए फ़िज़िकल ऐजुकेशन में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 एम.एस. राठी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनके कुशल निर्देशन और परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरण की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहता हूँ जिनके सहयोग के अभाव में यह सब संभव नहीं था।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्त्वपूर्ण है जिन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में अपितु राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

प्रोफेसर उमेश राय जी तथा प्रोफ़ेसर आर.के. सक्सेना जी के प्रति विशेष रूप से अनुग्रहित हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रमों से समय निकालकर हम सबको उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूँ तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक : 26, अप्रैल, 2011

डॉ0 बिजेन्द्र कुमार शर्मा
प्राचार्य